मैनपुरी : मैनपुरी की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर रचा इतिहास

मूल्य 10 रु.

फरवरी 2014

एक सम्पूर्ण राष्ट्रीय समाचार मासिक पत्रिका

वर्ष : 7 अंक : 04

माया अवध

प्रदीप जैन 'आदित्य'

विशेष : कारितास इंडिया

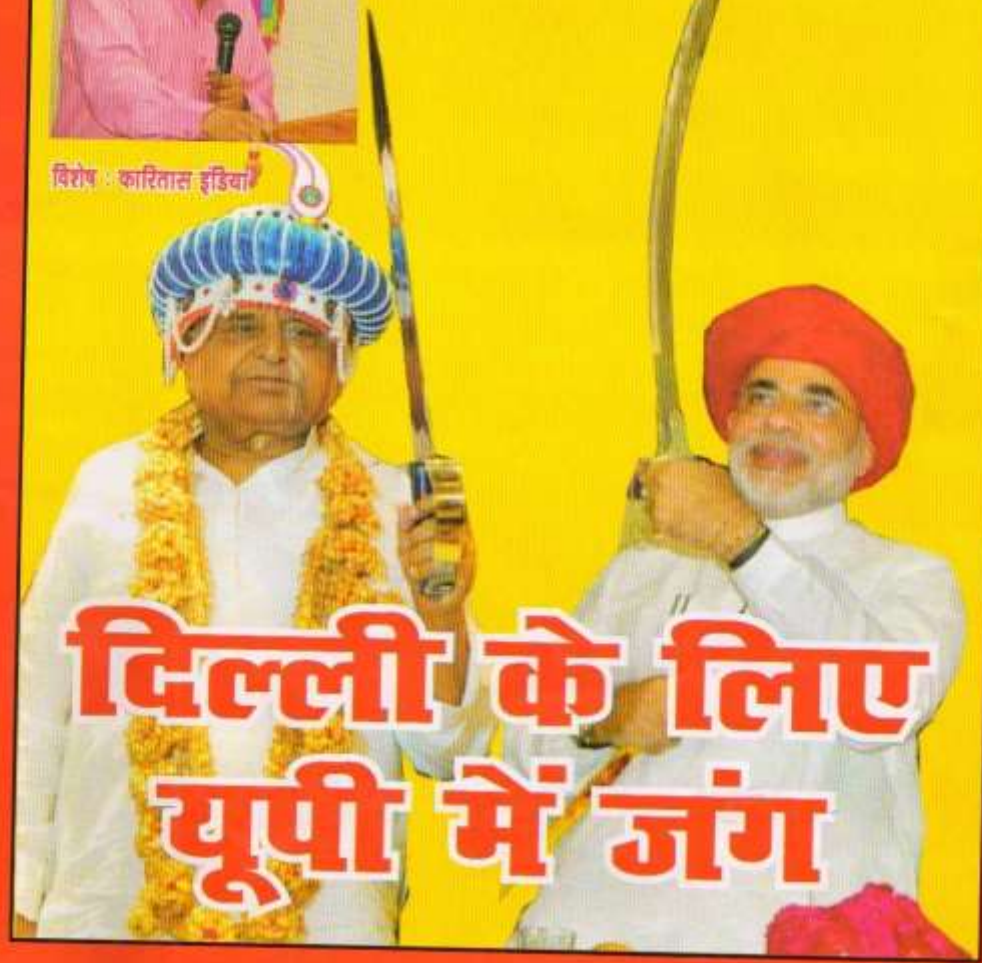

दिल्ली के लिए यूपी में जंग

आपदा राहत सहित कई मोर्चों पर सक्रिय है कारितास इंडिया

विजय सिंह चौहान

स्वैच्छिक संस्थाएं यूं तो बहुत हैं जो देश के भीतर कई स्तरों पर कार्य कर रही है। लेकिन जहाँ तक सवाल कारितास इंडिया का है तो यह इस देश के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। यह संस्था देश के भीतर सन् 1962 से सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक गतिविधियां चला रही है। वैसे यह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाती है। इस बारे में संस्था के निदेशक फादर फेडरिक डिसूजा कहते हैं कि देश के भीतर जब भी आपदा आयी तो हमारी संस्था के कर्मचरियों के पूरी तन्मयता के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा भी यह संस्था स्थानीय संगठनों के माध्यम से कार्य करती है। संस्था के निदेशक से

माया अक्ष के झांसी मण्डल ब्यूरो चीफ विजय सिंह चौहान ने विशेष बातचीत की।

कारितास इंडिया एक इंटरनेशनल एनजीओ है जो गरीब वर्ग के लोगों के लिए 1962 से अब तक कार्य कर रहा है विशेषकर आपदा राहत का कार्य करती है जैसा की हाल ही के दिनों में गुजरात, उत्तराखंड एवं ओड़िसा के आपदा के समय कारितास ने सराहनीय कार्य किया। सुनामी के बाद भी 2000 से अभी तक हम लोगों से जुड़े है जिसमें स्वयं सहायता समूहों बनाकर लोगों के साथ काम करना उनको स्वरोजगार उपलब्ध करना आदि तरह से लोगों को विकास के लिए प्रेरित करते है हम लोग 250 लोकल एनजीओ के साथ साझेदारी कर लोगों की मदद करते है। इसके साथ–साथ हम स्थायी कृषि अभ्यासों, नारी सशक्तिकरण, लोगों की सरकार एवं सरकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाना, बालिका शिक्षा, पुनर्वास, आदि क्षेत्रों में काम कर रहे है। हम लोग अपने स्थानीय एनजीओ साझेदारों द्वारा अपने कार्यक्रमों को संचालित करते है तथा समय–समय पर इन कार्यक्रमों की जांच करने हेतु कारितास इंडिया के अधिकारी जाते रहते हैं।

कारितास इंडया के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के मुख्य क्षेत्र हैं स्थायी कृषि अभ्यासों जैविक खेती को बढ़ावा, नारी सशक्तिकरण एवं महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता का विकास बराबर साझेदारी, लोगों की सरकार एवं सरकारी योजनाओं तक पहुँच बढ़ाना, बालिका शिक्षा, पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, जनजातीय लोगों के कल्याणकारी कार्यक्रम एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास एवं आजीविका से संबंधित है।

अपनी संस्था से जुड़े कार्यानुभव के बारे में फ्रेडिक कहते हैं कि कारितास इंडिया द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के दौरान हमें लोगों का पूर्ण सहयोग मिलता है। लोग हमारे साथ मिलकर नारी और पुरुष कंधे से कन्धा मिलकर विकास में अपनी भागीदारी दिखा रहे हैं। और बहुत अच्छा लगता है समाज को इस तरह आगे बढ़ता देखकर खुशी होती है कि हम समाज के विकास में कुछ योगदान कर रहे है।

संस्था के सहनिदेशक फादर पॉल बताते हैं कि नारी सशक्तिकरण के लिए हम भरपूर कोशिश कर रहे है। भिन्न कार्यक्रम चला रहे है। क्योंकि हम मानते हैं जब तक नारी और पुरूष एक साथ कंधे से कन्धा मिलाकर काम नहीं करेंगे तब तक सामाज सही रूप में विकास नहीं कर सकता। नारी घर की मुखिया होती और उसे भी विकास के पूर्ण अवसर प्राप्त हों, ये हमारी प्राथमिकता होती है। उनके अधिकारों को हासिल करने को उन्हें शिक्षित करना और जागरूक करना बहुत ही आवश्यक है जो हम अपनी हर परियोजना में मुख्यरूप से शामिल करते हैं।

उत्तराखण्ड आपदा राहत के बारे में पॉल बताते हैं कि उत्तराखंड राहत आपदा के दूसरे ही दिन कारितास इंडिया वहां पहुंच गया और स्थानीय एनजीओ के सहयोग के साथ मिलकर राहत आपदा में काम किया। स्थानीय प्रशासन का भी सम्पूर्ण सहयोग मिला। मुख्यमंत्री महोदय ने खुद आकार हम लोगों के कार्यकर्ताओं का प्रोत्साहन किया एवं प्रशास्त्रिपत्र भी प्रदान किया। जिलाधिकारी ने अपना हाल हमें मीटिंग एवं ट्रेनिंग को तुरंत दे दिया जिससे हमें अपने कार्य को करने में

सुविधा हुई उत्तराखंड में हमने 15000 लोगों का पुनर्वास किया था। अभी वहां 3 जिलों के लोगों को आजीविका के लिए हम सहयोग कर रहे हैं। वहां के पत्रकारों का भी हम बहुत सहयोग प्राप्त हुआ जैसे कि हम जो भी कार्य कर रहे हैं उन्हें दूसरी जगह लोगों तक पहुंचाया

जिससे हमें कार्य करने में बहुत आसानी हुई। इसके लिए पत्रकार भाई को धन्यवाद के पात्र हैं।

संस्था के प्रोजेक्ट अधिकारी विनोद पाण्डेय अपनी कार्यविधि के बारे में जानकारी देते हुए बताते हैं कि हमारा नेटवर्क हमे दूसरे अन्य संस्थानों से भिन्न बनाता है। हम कैथोलिक चर्च के धर्मप्रान्त के जरिये काम करते हैं। हमारे भारत में 165 धर्मप्रांत है जिनके अंतर्गत 250 चर्च एवं अन्य एनजीओ के द्वारा हम ग्रामीण विकास एवं समाज विकास के कार्यों को करते है। मैं ये नहीं कह सकता कि हमने सब कुछ बदल डाला या अद्भुत बड़ा बदलाव आ गया लेकिन हमने ये प्रयास किया कि परिवर्तन आना प्रारंभ हुआ जिससे लोग अपने विकास एवं अपने हक को पाने के लिए आगे आने लगे। हम लोग शिक्षा, आजीविका, कृषि, आपदा प्रबंधन एवं नारी सशक्तिकरण पर मुख्य रूप से काम करते हैं। अन्य एनजीओ भी बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

स्वैच्छिक कार्यों के निष्पादन में आने वाली अड़चनों के बारे में पाण्डेय कहते हैं कि चर्च की संस्था होने के कारण शुरूआत में बहुत समस्या समाने आती है। परन्तु धीरे-धीरे हम सामुदायिक विकास को पाने में सक्षम होते हैं क्योंकि अभी भी समाज में चर्च संस्थानों के बारे में बहुत सी गलत अवधारण बन गयी जिन्हें हम दूर करने का पूर्ण प्रयास कर रहे हैं।

बुंदेलखण्ड पर आधारित प्रश्न के उत्तर में कहते हैं कि हरित प्रयास ने बुंदेलखण्ड में बहुत अच्छा काम किया है। जिससे हमने गरीब किसानों को उनकी लागत को कम करके आय बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इस परियोजना के अंतर्गत हमने जैविक खेती का प्रसार किया जिसे किसानों ने अपनाकर अपनी जमीनों को फिर से उर्वरक बनाया। इसके साथ ही साथ किसानों एवं महिलाओं ने छोटे स्वरोजगार कर अपने आर्थिक स्तर को भी बढ़ाया है और एक बात बहुत अच्छी है कि मध्य प्रदेश सतना के एक गाँव मझोटा ने तो अपना नाम बदलकर हरित प्रयास मझोटा कर दिया। मीडिया के द्वारा भी सोशल मीडिया, अखबारों एवं ब्लॉग के द्वारा इसकी उपलब्धियों को दूसरों तक भी पहुंचाया है। कुल मिलाकर संस्था देश के भीतर निचले स्तर पर जाकर जो समस्याए हैं, उसके निवारण में प्रमुख भूमिका निभा रही है।